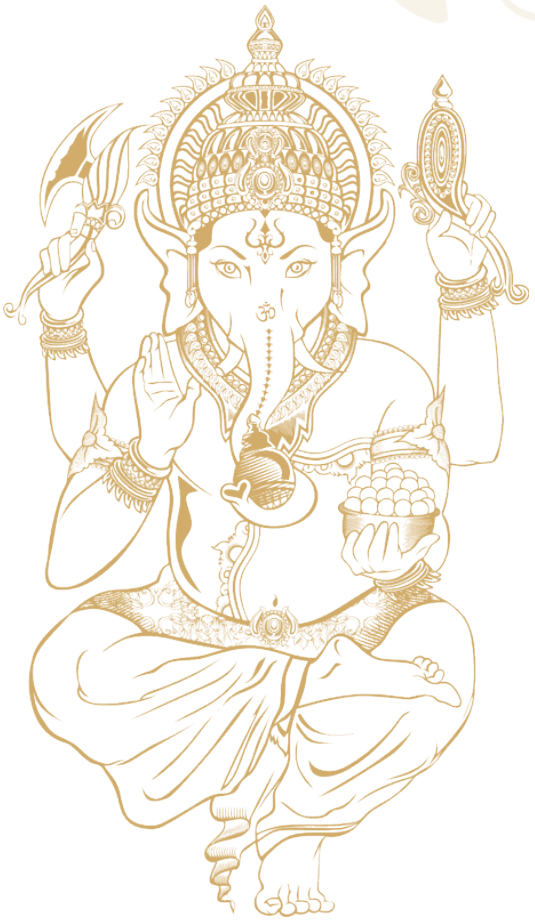

Arun pardhi

Vashali pardhi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120918604

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26/12/1989	जन्म तिथि	26-27/05/1995
मंगलवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 23:49:00	जन्म समय	05:06:00 घंटे
घटी 42:38:54	जन्म समय(घटी)	59:07:49 घटी
India	देश	India
Balaghat	स्थान	Balaghat
21:48:00 उत्तर	अक्षांश	21:48:00 उत्तर
80:16:00 पूर्व	रेखांश	80:16:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:56	स्थानिक संस्कार	-00:08:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:45:26	सूर्योदय	05:26:52
17:33:04	सूर्यास्त	18:45:10
23:43:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:43

विंशोत्तरी बुध 5वर्ष 9मा 9दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शुक्र 17वर्ष 3मा 20दि	
सूर्य		06:30:15	कन्या	लग्न	वृष	05:05:30	चन्द्र	
06/10/2022		11:14:43	धनु	सूर्य	वृष	11:27:09	15/09/2018	
06/10/2028		25:28:11	वृश्चि	चंद्र	मेष	15:07:48	14/09/2028	
		12:15:06	वृश्चि	मंगल	सिंह	06:47:56		
सूर्य	24/01/2023	00:40:04	मक	बुध व	वृष	24:18:38	चन्द्र	16/07/2019
चन्द्र	25/07/2023	12:12:20	मिथु व	गुरु व	वृश्चि	17:25:03	मंगल	14/02/2020
मंगल	30/11/2023	12:34:05	मक	शुक्र	मेष	18:20:47	राहु	15/08/2021
राहु	24/10/2024	21:15:39	धनु	शनि	कुंभ	29:37:54	गुरु	15/12/2022
गुरु	12/08/2025	23:27:23	मक व	राहु व	तुला	11:40:24	शनि	15/07/2024
शनि	25/07/2026	23:27:23	कर्क व	केतु व	मेष	11:40:24	बुध	15/12/2025
बुध	31/05/2027	11:43:13	धनु	हर्ष व	मक	06:29:22	केतु	16/07/2026
केतु	06/10/2027	18:06:02	धनु	नेप व	मक	01:32:05	शुक्र	16/03/2028
शुक्र	06/10/2028	23:12:31	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	05:15:35	सूर्य	14/09/2028

लग्न-चलित

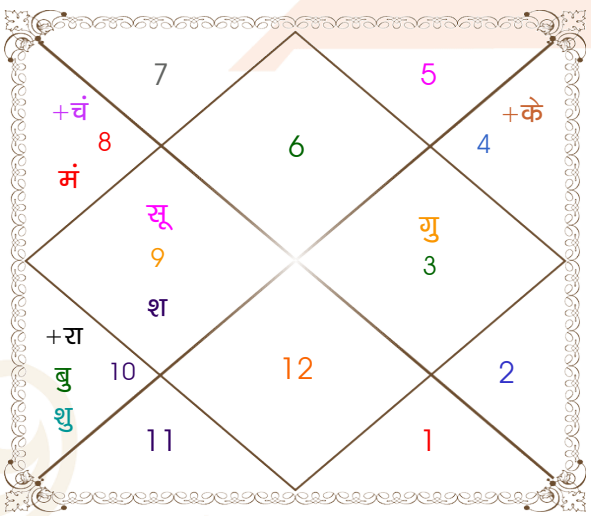

लग्न-चलित

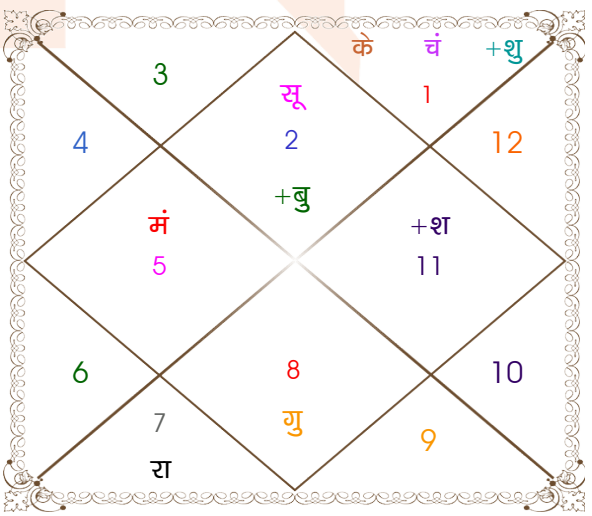

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Member: All India federation of Astrologers Society
Professor colony Raipur
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Arun pardhi का वर्ग मृग है तथा Vashali pardhi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Arun pardhi और Vashali pardhi का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Arun pardhi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Vashali pardhi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Arun pardhi कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Arun pardhi कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Arun pardhi तथा Vashali pardhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Member: All India federation of Astrologers Society
Professor colony Raipur
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com